# विषय-सूची


- 1. उत्तर प्रदेश : एक दृष्टि में 4-14
- 2. उत्तर प्रदेश : समसामयिक घटनाएँ 15-18
- 3. उत्तर प्रदेश : आर्थिक नियोजन 19-25
- 4. उत्तर प्रदेश : राजनीतिक एवं प्रशासनिक ढाँचा 26-31
- 5. उत्तर प्रदेश : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 32-41
- 6. उत्तर प्रदेश : सामान्य भूगोल 42-49
- 7. उत्तर प्रदेश : अन्तिम जनगणना-2011 50-59
- 8. उत्तर प्रदेश : मिट्टी, कृषि एवं पशुपालन 60-66
- 9. उत्तर प्रदेश : वन एवं वन्य जीव संरक्षण 67-72
- 10. उत्तर प्रदेश : खनिज संसाधन 73-74
- 11. उत्तर प्रदेश : ऊर्जा संसाधन 75-78
- 12. उत्तर प्रदेश : परिवहन संसाधन 79-82
- 13. उत्तर प्रदेश : प्रमुख उद्योग 83-87
- 14. उत्तर प्रदेश : शिक्षा 88-90
- 15. उत्तर प्रदेश : पत्रकारिता 91-92
- 16. उत्तर प्रदेश : कला एवं संस्कृति 93-99
- 17. उत्तर प्रदेश : अनुसूचित जनजातियाँ 100-101
- 18. उत्तर प्रदेश : योजनाएँ एवं कार्यक्रम 102-107
- 19. उत्तर प्रदेश : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण 108-111
- 20. उत्तर प्रदेश : ऐतिहासिक, धार्मिक व पर्यटन स्थल 112-116
- 21. उत्तर प्रदेश : महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 117-136

# 1 उत्तर प्रदेश

- स्थापना दिवस **–1 नवम्बर, 1956**
- राजधानी **–लखनऊ**
- प्रदेश का पूर्व नाम **–1836 से उत्तर-पश्चिम प्रान्त**
  **–1877 से संयुक्त प्रान्त आगरा एवं अवध**
  **–1937 से केवल संयुक्त प्रान्त**
  **–26 जनवरी, 1950 से 'उत्तर प्रदेश'**
- प्रदेश की **राजधानी** **–1858 तक आगरा**
  **–1858 से 1921 तक इलाहाबाद**
  **–1921 से लखनऊ**
- दिवस **–24 जनवरी**
- पर्यटन दिवस **–14 जनवरी**
- गौरैया दिवस **–20 मार्च**
- सम्भाग या मण्डलों की संख्या **–18**
- जिलों की संख्या **–75**
- विधानमण्डल **–द्विसदनात्मक**
- विधानसभा सदस्य **–404**
  **(403 निर्वाचित + 1 मनोनीत ऐंग्लो इण्डियन)**
- विधानपरिषद् सदस्य **–99 + 1 (ऐंग्लो इण्डियन)**
- लोकसभा सदस्य **–80**
- राज्यसभा सदस्य **–31**
- विधानसभा में सुरक्षित सीटें **–86 (84 एससी + 2 एसटी)**
- लोकसभा में **सुरक्षित सीटें** **–17**
- उच्च न्यायालय **–इलाहाबाद (खण्डपीठ–लखनऊ)**
- उच्च न्यायालय की स्थापना **–1866 ई.**
- न्यायिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण केन्द्र **–लखनऊ (1986 में)**
- उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या **–160**
- तहसीलों की संख्या **–342**
- नगर निगम **–16**
- नगरपालिका परिषद् **–199**
- नगर पंचायत **–438**
- जिला पंचायत **–75**
- न्याय पंचायत **–8,135**
- सामुदायिक विकास खण्ड **–851**
- ग्राम पंचायतें **–59,073**
- कुल आबाद ग्राम **–97,814**
- कुल ग्राम **–1,06,774**
- पंचायतों में महिला आरक्षण **–कुल सीट का 1/3 (33%)**
- राजकीय भाषा **–हिन्दी (उर्दू दूसरी राजभाषा 1989 से)**
- राजकीय पशु **–बारहसिंगा**
- राजकीय पक्षी **–सारस अथवा क्रौंच**
- राजकीय वृक्ष **–अशोक**
- राजकीय पुष्प **–पलाश या टेंसू (2011 से)**
- राजकीय चिह्न **–मछली**
  **(1 वृत्त में 2 मछली, 1 तीर धनुष, यह चिह्न 1938 में स्वीकृत हुआ)**
- राजकीय खेल **–हॉकी**
- राज्य विधानसभा का प्रथम गठन **–जुलाई, 1937**
- उत्तराखण्ड बनने से पूर्व विधानसभा सदस्य **–425**
- उत्तराखण्ड बनने से पूर्व विधानपरिषद् सदस्य **–108**
- 1967 तक विधानसभा सदस्यों की संख्या **–425**
- 16वीं विधानसभा में महिला सदस्य हैं **–35 (8·68%)**
- 17वीं विधानसभा में महिला सदस्य **–42 (10·42%)**
- फरवरी-मार्च, 2017 में हुए 17वीं विधानसभा में विजेता पार्टियों की सीटें **–भाजपा गठबन्धन–325, सपा पार्टी व कॉंग्रेस गठबन्धन–54, बसपा–19, राष्ट्रीय लोक दल–1, अन्य–4**
- 17वीं विधानसभा में स्पीकर **–हृदय नारायण दीक्षित**
- सर्वाधिक विधानसभा सीटों वाला जिला **–इलाहाबाद (12)**
- सबसे कम विधानसभा सीटों वाला जिला **–श्रावस्ती महोबा, चित्रकूट (2-2 सीटें)**
- प्रदेश में देश का सबसे बड़ा संसदीय क्षेत्र **–उन्नाव**
- राज्य उपभोक्ता संरक्षण केन्द्र **–5**

## प्रदेश में धर्म आधारित जनगणना-2011 (25 अगस्त, 2015 को जारी)

| धर्म | कुल जनसंख्या | पुरुष जनसंख्या | महिला जनसंख्या | राज्य की कुल जनसंख्या में % |
|---|---|---|---|---|
| हिन्दू | 15,93,12,654 | 8,35,55,724 | 7,57,56,930 | 79·73% |
| मुस्लिम | 3,84,83,967 | 1,98,67,314 | 1,86,16,653 | 19·26% |
| ईसाई | 3,56,448 | 1,82,838 | 1,73,610 | 0·18% |
| सिख | 6,43,500 | 3,41,451 | 3,02,049 | 0·32% |
| बौद्ध | 2,06,285 | 1,07,424 | 98,861 | 0·22% |
| जैन | 2,13,267 | 1,10,994 | 1,02,273 | 0·15% |
| किसी धर्म को न मानने वाले | 5,82,622 | 3,07,695 | 2,74,927 | 0·05% |

## कृषि क्षेत्र

- शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल (2015-16) **–16,546 हजार हेक्टे.**
- कुल बोया गया क्षेत्रफल (2015-16) **–25,896 हजार हेक्टे.**
- कुल खाद्यान्न उत्पादन (2015-16) **–18·9% (प्रथम)**
- कुल चावल का उत्पादन (2015-16) **–द्वितीय (12%)**
- कुल सरसों का उत्पादन (2014-15) **–तृतीय (9·89%)**
- कुल उर्वरक खपत (2014-15)**–प्रथम (3,842·04 किग्रा. प्रति हेक्टे.)**
- कुल गेहूँ उत्पादन (2015-16) **–29% (प्रथम)**
- कुल गन्ना उत्पादन (2015-16) **–41% (प्रथम)**
- कुल आलू उत्पादन (2015-16) **–31% (प्रथम)**
- कुल चीनी उत्पादन (2015-16) **–27·39% (द्वितीय)**
- कुल आम उत्पादन (2015-16) **–23·71% (प्रथम)**
- कुल आँवला उत्पादन (2014-15) **—14·0% (प्रथम)**
- कुल दूध उत्पादन (2014-15) **—13·7% (प्रथम)**
- कुल अमरूद उत्पादन (2014-15) **—14·0% द्वितीय**
- कुल दाल उत्पादन (2015-16) **—13·71% (चतुर्थ)**
- कुल मैथा ऑयल (पिपरमिंट) उत्पादन (2015-16) **—प्रथम**
- कुल पशुधन की संख्या (2012) **—प्रथम**
- कुल हल्दी उत्पादन (2015-16) **—प्रथम**
- कुल सब्जी उत्पादन (2014-15) **—11·55% (द्वितीय)**
- कुल मसूर उत्पादन (2015-16) **—38·89% (प्रथम)**
- कुल बाजरा उत्पादन (2015-16) **—22% (द्वितीय)**

## सिंचाई क्षेत्र

- कुल सिंचित क्षेत्र (2014-15) **–144 लाख हेक्टे.**
  - नलकूप **–71·5%**
  - नहर **–18·2%**
  - कुआँ **–9·0%**
  - तालाब, झील, पोखर **–0·8%**
  - अन्य **–0·4%**

## प्रमुख उद्योग (2015-16)

- राज्य आय का प्रतिशत (प्रचलित कीमत पर)
  - प्राथमिक क्षेत्र **–28·2%**
  - द्वितीयक क्षेत्र **–25·5%**
  - तृतीयक क्षेत्र **–46·3%**
- कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार देने वाला उद्योग **–हथकरघा कुटीर उद्योग**
- सर्वाधिक बाल श्रमिकों वाला राज्य **–उत्तर प्रदेश**
- पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया **–1998**
- भारतीय पर्यटकों की दृष्टि से देश में प्रदेश का स्थान **–द्वितीय (I-तमिलनाडु)**
- विदेशी पर्यटकों की दृष्टि से देश में प्रदेश का स्थान **–तृतीय (I-महाराष्ट्र, II-तमिलनाडु)**
- प्रदेश में सर्वाधिक वृद्धि दर वाला पारम्परिक उद्योग **–सीमेण्ट**
- पारिवारिक उद्योग में लगे कर्मकर (2011) **–5·92%**
- देश में कुल फैक्ट्रियों में 6·46% के साथ प्रदेश का स्थान **–चौथा**
- प्रदेश में सर्वाधिक पंजीकृत कारखानों की संख्या वाले जिले **–I-गौतमबुद्ध नगर, II-गाजियाबाद**

## विद्युत (2015-16)

- अधिष्ठापित क्षमता **–6,159 मेगावाट**
- उत्पादन **–2,804 करोड़ कि.वा. घण्टा**
- प्रति व्यक्ति उपभोग **–317 कि.वा. घण्टा**
- पूर्णत: विद्युतीकृत ग्राम **–87,585**
- आबाद ग्राम में विद्युतीकृत ग्राम (प्रतिशत) **–88·89% (2010-11)**
- विद्युत उपभोग में उ.प्र. का स्थान **–पाँचवाँ**
- देश में विद्युत उत्पादन में उ.प्र. का स्थान **–पहला**
- राज्य की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजना **–रिहन्द**

☞ **जसंवा गाँव**—उत्तर प्रदेश के जसंवा गाँव (इलाहाबाद) को प्रदेश का सबसे हरा-भरा गाँव घोषित किया गया।

☞ **गाजियाबाद**—देश व प्रदेश का पहला राजनीतिक प्रशिक्षण केन्द्र गाजियाबाद में खोला जाएगा।

☞ **मथुरा**—उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मथुरा में 'गीता शोध संस्थान' की स्थापना किये जाने की घोषणा की जाएगी।

## उत्तर प्रदेश का वार्षिक बजट 2018-19 से

☞ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने 16 फरवरी, 2018 को राज्य का बजट पेश किया। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल ने योगी सरकार का दूसरा बजट पेश किया। अग्रवाल ने 4 लाख 28 हजार 384 करोड़ रुपये का बजट पेश किया।

☞ उत्तर प्रदेश बजट 2018-19 के मुख्य बिन्दु—

- वर्ष 2022 तक किसानों की आयु को दोगुना करने के लिए इसमें बड़े पैमाने पर कृषि, बागवानी, खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, डेयरी को बढ़ावा देने के लिए पिछले बजट के मुकाबले 17.5 प्रतिशत अधिक धन राशि दी गई।
- ग्रामीण इलाकों की सूरत बदलने को ग्राम्य विकास विभाग को 22110 करोड़ रुपए दिए गए हैं।
- उत्तर प्रदेश को खुले में शौचमुक्त करने के लिए पंचायती राज विभाग को ₹ 17,222 करोड़ की धनराशि दी गयी है।
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के लिए 5000 करोड़ रुपए की बड़ी धनराशि दी गई है।
- प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लिए ₹ 11 हजार करोड़ दिये गये हैं तो शहरी क्षेत्रों के लिए ₹ 2217 करोड़ की व्यवस्था की गयी है।
- इस बार प्रदेश में सड़कों के निर्माण के लिए ₹ 17615.29 करोड़ दिए गये हैं जो पिछले बजट के मुकाबले 22 प्रतिशत अधिक है।
- पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के लिए एक हजार करोड़ रुपए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के बचे कार्यों के लिए 500 करोड़ और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे परियोजना के प्रारम्भिक कार्यों के लिए 550 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गयी है।
- औद्योगिक निवेश नीति के लिए 600 करोड़ तथा नई औद्योगिक नीति के लिए 500 करोड़ रुपए दिए गये हैं।
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना को 100 करोड़, हैंडलूम, पॉवरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल एण्ड गारमेंटिंग नीति के लिए 50 करोड़, बुनकरों को सस्ती बिजली देने के लिए 150 करोड़, स्टार्ट अप फंड के लिए 250 करोड़, मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण मिशन के लिए 42.49 करोड़ दिये गये हैं।

☞ सर्वशिक्षा अभियान को 18,167 करोड़ मुफ्त कॉपी, किताबें, यूनिफार्म के लिए ₹ 116 करोड़, मध्यान्ह भोजन योजना के लिए 2048 करोड़, फल बाँटने के लिए 167 करोड़ तथा स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 500 करोड़ आवंटित किए गये हैं।

## उ.प्र. सरकार की कमाई

| क्र.सं. | मद | (प्रतिशत में) |
|---|---|---|
| 1. | केन्द्रीय करों में राज्यांश | 31.9% |
| 2. | राज्य कर | 29.3% |
| 3. | केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान | 15.2% |
| 4. | लोक, ऋण | 13.6% |
| 5. | गैर कर राजस्व | 6.9% |
| 6. | लोक लेखा शुद्ध | 1.9% |
| 7. | ऋण और अग्रिम वसूली | 1.2% |

## उ.प्र. सरकार के खर्चे

| क्र.सं. | मद | (प्रतिशत में) |
|---|---|---|
| 1. | अन्य राजस्व व्यय | **17.8%** |
| 2. | पूँजीगत परिव्यय | **17.7%** |
| 3. | वेतन-सरकारी कर्मचारी | **13.1%** |
| 4. | वेतन-सहायता प्राप्त संस्थाओं | **11.6%** |
| 5. | ब्याज | **7.7%** |
| 6. | पेंशन | **10.9%** |
| 7. | ऋणों का प्रतिदान | **4.9%** |
| 8. | स्थानीय निकायों को समनुदेशन | **2.9%** |
| 9. | ऋण और अग्रिम की वसूली | **0.1%** |
| 10. | ऋण एवं अग्रिम | **0.5%** |
| 11. | सहायता अनुदान | **10%** |
| 12. | सब्सिडी | **2.8%** |

## विविध तथ्य

☞ उत्तर प्रदेश सरकार ने गैर राजपत्रित नौकरियों के लिए साक्षात्कार समाप्त करने की घोषणा की।

☞ उत्तर प्रदेश सैफई स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज का नामकरण मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज किया जाएगा।

☞ उत्तर प्रदेश के रायबरेली स्थित एनटीपीसी की 500 मेगावॉट की छठवीं इकाई में बॉयलर की राख वाली विशालकाय पाइप फट जाने से 27 से अधिक श्रमिकों की मृत्यु हुई।

☞ उत्तर प्रदेश तीन तलाक सम्बन्धी विधेयक के मसौदे पर सहमति देने वाला पहला राज्य बना।

☞ उत्तर प्रदेश ने गाँवों में महानगरों जैसी स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'चरक एप' का शुभारम्भ किया।

☞ उत्तर प्रदेश मंत्रिमण्डल द्वारा प्रदेश में कृषकों के हित में वर्मी कंपोस्ट इकाई स्थापना योजना संचालित करने का निर्णय लिया।

☞ कुम्भ 2019 का आयोजन प्रयाग (इलाहाबाद) में होगा।

| घटक | इकाई | 11वीं योजना (2007-12) के अंत में स्थिति |
|---|---|---|
| बच्चों (0-3 वर्ष) में कुपोषण | प्रतिशत | 47.0 |
| विवाहित महिलाओं (15-49 वर्ष) में रक्त अल्पता | प्रतिशत | 51.6 |
| शिशु लिंगानुपात (0-6 वर्ष) | प्रति हजार | 899 |
| साक्षरता दर | प्रतिशत | 69.72 (67.7 वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार) |
| साक्षरता दर में लैंगिक अंतराल | प्रतिशत | 20.0 |
| प्रारंभिक शिक्षा में ड्रॉप आउट अनुपात | प्रतिशत | 11.0 |
| राज्य अर्थव्यवस्था में वृद्धि दर | प्रतिशत | 7.0 |
| कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर | प्रतिशत | 2.6 |
| उद्योग क्षेत्र में वृद्धि दर | प्रतिशत | 7.7 |
| सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर | प्रतिशत | 9.1 |

## 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-2017) के मुख्य तथ्य

- **मुख्य उद्देश्य**—समावेशन के साथ टिकाऊ/धारणीय/पोषणीय विकास करना।
- **आर्थिक वृद्धि दर**—10% का लक्ष्य।
- **कृषि विकास दर**—5%।
- डेरी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं बागवानी क्षेत्र में विकास दर—10% से अधिक का लक्ष्य।
- **दुग्ध उत्पादन**—221·59 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 362·46 लाख मीट्रिक टन करना।
- **अण्डों का उत्पादन**—1139 मिलियन से बढ़ाकर 1877 मिलियन करना।
- **सड़क**—सभी जिला मुख्यालयों को 4 लेन वाली सड़कों से जोड़ना।
- **विद्युत**—न्यूनतम 60% ग्रामीण परिवारों एवं शत-प्रतिशत शहरी परिवारों को 2017 तक मीटर युक्त घरेलू कनेक्शन उपलब्ध कराना।
- **पेयजल**—2017 तक सभी शहरी क्षेत्रों को पाइप द्वारा सुरक्षित पेयजल आपूर्ति करना।
- **मकान**—25 लाख कच्चे मकानों में रहने वालों को पक्का मकान देना
- **शिक्षा**—2017 तक 85% साक्षरता प्राप्त करना।
- **शिशु मृत्यु दर (IMR)**—61 प्रतिशत से कम करके 32 प्रति हजार पर लाना।
- **मातृत्व मृत्यु दर (MMR)**–359 प्रति लाख से कम करके 200 प्रति लाख तक लाना।
- **प्रजनन दर**—3·8 से कम करके 2·8 पर लाना।
- **रक्त अल्पता (Anaemia)**—वर्तमान पर 51·6% से कम करके 20% पर लाना।

## उ.प्र. की 12वीं पंचवर्षीय योजना के वित्तीय पक्ष

| विकास की शीर्ष मदें | प्रस्तावित परिव्यय (करोड़ ₹ में) | प्रतिशत हिस्सा |
|---|---|---|
| (A) आर्थिक सेवाएँ | 214338·64 | 59·3 |
| (i) कृषि एवं सम्बद्ध सेवाएँ | 33677·44 | 9·3 |
| (ii) ग्रामीण विकास | 10492·79 | 2·9 |
| (iii) विशेष क्षेत्र कार्यक्रम | 9774·81 | 2·7 |
| (iv) सिंचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण | 37923·52 | 10·5 |
| (v) ऊर्जा | 49839·95 | 13·8 |
| (vi) उद्योग एवं खनिज | 25870·81 | 7·2 |
| (vii) परिवहन/यातायात | 38071·69 | 10·5 |
| (viii) विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण | 310·24 | 0·1 |
| (ix) सामान्य आर्थिक सेवाएँ | 8377·40 | 2·3 |
| (x) सामाजिक सेवाएँ | 144812·48 | 40·1 |
| (B) शिक्षा | 46492·08 | 12·9 |
| (C) मेडिकल एवं लोक स्वास्थ्य | 20988·48 | 5·8 |
| (D) जलापूर्ति एवं स्वच्छता | 9317·32 | 2·6 |
| (E) आवास | 5710·63 | 1·6 |
| (F) शहरी विकास | 19322·96 | 5·4 |
| (G) सामाजिक सुरक्षा जाल | 37493·76 | 10·4 |
| (H) सामान्य सेवाएँ | 1848·88 | 0·5 |
| (I) अन्य | 5487·25 | 1·5 |

## छठी आर्थिक गणना 2012-13

- छठी आर्थिक गणना में (फसल उत्पादन, लोक प्रशासन, रक्षा एवं अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा सेवाओं की गतिविधियों को छोड़कर) समस्त विभिन्न प्रकार के कृषीय एवं अकृषीय उद्यमों के क्रिया-कलापों की गणना की गई है।
- 6ठी आर्थिक गणना (2012-13) में पहली बार हस्तशिल्प एवं हथकरघा उद्यमों को गणना कार्य में सम्मिलित किया गया।
- 6ठी आर्थिक गणना (2012-13) के अनुसार प्रदेश के अन्तर्गत 66.84 लाख उद्यम पाए गए जिसमें 41.59 लाख उद्यम (62.22%) ग्रामीण क्षेत्रों में और लगभग 25.25 लाख उद्यम (37.78 %) नगरीय क्षेत्रों में अवस्थित होना पाया गया।
- भारत में अन्य राज्यों के सापेक्ष सबसे अधिक उद्यम उत्तर प्रदेश राज्य में 11.43% पाए गए हैं।
- हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों की कुल संख्या 3.09 लाख व्यक्ति कार्यरत पाए गए। इन उद्यमों में 7.69 लाख (5.45%) रोजगार उपलब्ध कराया।
- प्रदेश में 66.64 लाख उद्यमों में लगभग 141.18 लाख व्यक्ति कार्यरत पाए गए। कुल 141.18 लाख व्यक्तियों में से 79.53 लाख व्यक्ति (56.33%) ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 61.64 लाख व्यक्ति (43.67%) नगरीय क्षेत्रों में कार्यरत थे।

## उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक स्थल

## दिल्ली सल्तनत

- उत्तर प्रदेश का अधिकांश क्षेत्र दिल्ली सल्तनत का अंग रहा। मोहम्मद गोरी के विश्वासपात्र गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक (1206 ई.) के दिल्ली के सिंहासन पर बैठने के साथ ही गुलाम वंश का शासन शुरू हुआ, लेकिन इसकी राजधानी लाहौर थी। इल्तुतमिश ने राजधानी दिल्ली बनाई।
- इल्तुतमिश ही दिल्ली सल्तनत का वैधानिक एवं वास्तविक संस्थापक माना जाता है। कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के समय वह बदायूँ का सूबेदार (गवर्नर) था।
- गुलाम वंश, खिलजी वंश तथा तुगलक वंश के बादशाहों ने धीरे-धीरे दिल्ली की सीमा बढ़ाई और वर्तमान उत्तर प्रदेश का अधिकांश क्षेत्र इस साम्राज्य का अंग रहा।
- सुल्तान जलालुद्दीन खिलजी के समय कड़ा (इलाहाबाद के निकट पश्चिम में गंगा तट पर स्थित) का सूबेदार अलाउद्दीन खिलजी था। यहीं से अलाउद्दीन खिलजी ने 1296 ई. में अपना देवगिरि अभियान सम्पन्न किया।
- 1296 ई. में कड़ा के सूबेदार अलाउद्दीन खिलजी ने ही सुल्तान जलालुद्दीन खिलजी की हत्या करवा दी थी और स्वयं दिल्ली का सुल्तान बन गया।
- तुगलक वंश के शासक फिरोज तुगलक ने जौना खाँ (मोहम्मद बिन तुगलक) की स्मृति में जौनपुर नगर की स्थापना की।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने कड़ा क्षेत्र में ही स्वर्गद्वारी की स्थापना की थी।
- तुगलक वंश की समाप्ति से पहले ही 1394 ई. में पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर में शर्की साम्राज्य की स्थापना फिरोज तुगलक के प्रमुख अमीर तथा नासिकरुद्दीन तुगलक के विद्रोही सूबेदार मलिक सरवर ख्वाजाजहाँ ने की थी। मलिक सरवर को तुगलक वंश के सुल्तानों ने 'मलिक उस शर्क' (पूर्व का स्वामी) की उपाधि देकर पूर्वी क्षेत्रों का शासक बनाया था।
- जौनपुर नगर को शिक्षा, संस्कृति, कला एवं व्यापार का प्रमुख केन्द्र बन जाने के कारण इसे 'शिराज-ए-हिन्द' (पूर्व का शिराज) नाम से पुकारा जाने लगा।

# 6 उत्तर प्रदेश

| | |
|---|---|
| ☞ प्राकृतिक विभाजन | **—गंगा का मैदान, भांभर तराई और दक्षिण का पर्वत पठार** |
| ☞ राज्य के सबसे उत्तरी भाग में एक पतली पट्टी के रूप में स्थित है | **—भांभर क्षेत्र** |
| ☞ कंकड़ पत्थर व मोटे बालू से युक्त भूमि होती है | **—भांभर क्षेत्र की** |
| ☞ भांभर क्षेत्र से सटे दक्षिण में एक चौड़ी पट्टी के रूप में पू. से प. तक फैला है | **—तराई (तरीवाला) क्षेत्र** |
| ☞ समतल, नम व दलदली भूमि होती है | **—तराई क्षेत्र की** |
| ☞ तराई क्षेत्र की मुख्य फसल हैं | **—धान-गन्ना** |
| ☞ तराई क्षेत्र के उत्तर व बुन्देलखण्ड पठारी क्षेत्र के दक्षिण स्थित है | **—मैदानी क्षेत्र** |
| ☞ यमुना के पूर्व व गंडक के पश्चिम में स्थित है | **—मैदानी क्षेत्र** |
| ☞ गंगा, यमुना, घाघरा, शारदा, रामगंगा, राप्ती व गंडक द्वारा लायी गई कॉप, कीचड़ व बालू से निर्मित है | **—मैदानी क्षेत्र** |
| ☞ मैदानी क्षेत्र के नवीन कॉप निक्षेपों को कहा जाता है | **—खादर (कछार)** |
| ☞ मैदानी क्षेत्र के पुराने कॉप निक्षेपों को कहा जाता है | **—बांगर** |
| ☞ मैदानी क्षेत्र की ऊँचाई है | **—80 से 300 मी.** |
| ☞ मैदानी क्षेत्र का ढाल उत्तर-पश्चिम से है | **—दक्षिण-पूर्व की ओर** |
| ☞ खादर क्षेत्रों में नदियों द्वारा आवरण क्षय होने से बनते हैं | **—बीहड़** |
| ☞ प्रदेश में सर्वाधिक बीहड़ों का निर्माण हुआ है | **—चम्बल व यमुना तट पर** |
| ☞ मैदानी क्षेत्र की मुख्य फसलें हैं | **—गेहूं, धान, आलू** |
| ☞ विशाल मैदानी क्षेत्र के दक्षिण में झांसी-ललितपुर से सोनभद्र तक फैला है | **—पठारी-पहाड़ी या बुन्देलखण्ड क्षेत्र** |
| ☞ पठारी-पहाड़ी क्षेत्र की औसत ऊँचाई 300 मी. है लेकिन मिर्जापुर व सोनभद्र में कुछ पहाड़ियाँ हैं | **—लगभग 600 मी. ऊँची** |
| ☞ बुन्देखण्ड क्षेत्र में कुछ भाग बघेलखण्ड का सम्मिलित है | **—सोनभद्र में** |
| ☞ प्रदेश के कितने जिलों में पठारी-पहाड़ी या बुन्देलखण्ड क्षेत्र का विस्तार है | **—11 जिलों में** |
| ☞ विन्डम, टांडा, कुसेहरा व खड़ंजा जल प्रपात (फाल) हैं | **—मिर्जापुर में** |
| ☞ बुन्देलखण्ड या पहाड़ी-पठारी क्षेत्र की उत्तरी सीमा पर बहती है | **—गंगा-यमुना** |
| ☞ बुन्देलखण्ड या पहाड़ी-पठारी क्षेत्र की पश्चिम सीमा पर बहती है | **—बेतवा नदी** |
| ☞ बुन्देलखण्ड या पहाड़ी-पठारी क्षेत्र का ढाल है | **—उत्तर की ओर** |
| ☞ बुन्देलखण्ड या पहाड़ी-पठारी क्षेत्र की मुख्य फसल है | **—दलहन-तिलहन** |
| ☞ जलवायु | **—उत्तर प्रदेश की जलवायु मुख्य रूप से उष्ण प्रधान शीतोष्ण कटिबंधीय एवं मानसूनी है फिर भी धरातलीय विषमताओं और समुद्र तल से विभिन्न स्थानों की भिन्न-भिन्न ऊँचाइयाँ होने के कारण यहाँ की जलवायु में विषमता मिलती है** |
| ☞ तीन ऋतुएँ | **—ग्रीष्म, वर्षा एवं शीत** |
| ☞ ग्रीष्म ऋतु में प्रदेश के दक्षिणी भाग में अधिक तापमान का कारण है | **—कर्क रेखा का नजदीक होना** |
| ☞ प्रदेश में बंगाल की खाड़ी के मानसून को जाना जाता है | **—पूर्वा नाम से** |
| ☞ प्रदेश में होने वाली सम्पूर्ण वर्षा का 75% से 85% भाग होता है | **—पूर्वा से** |

| | |
|---|---|
| ☞ केन नदी का प्रवेश होता है | **—बांदा जिले में** |
| ☞ केन यमुना में मिलती है | **—भोजहा (बांदा) के पास** |
| ☞ टौंस नदी का प्रवेश व गंगा में मिलन | **—इलाहाबाद में** |
| ☞ सोन नदी का प्रवेश व निकास होता है | **—सोनभद्र जिले में** |
| ☞ राज्य में सर्वाधिक बाढ़ संवेदनशील जिलों की संख्या | **—23** |
| ☞ बाढ़ प्रभावित कुल क्षेत्रफल (उ.प्र.-2014) | **—30.32% अर्थात 73.06 लाख हे. (पश्चिमी क्षेत्र 35.34 लाख हे., पूर्वी क्षेत्र 23.71 लाख हे., मध्य क्षेत्र 6.41 लाख हे. व बुन्देलखण्ड 7.60 लाख हे.** |

## सिंचाई/पेयजल

| | |
|---|---|
| ☞ सकल सिंचित क्षेत्र (2013-14) | **—204.03 लाख हेक्टेयर** |
| ☞ शुद्ध सिंचित क्षेत्र (2013-14) | **—140.27 लाख हेक्टेयर** |
| ☞ कुल सृजित सिंचन क्षमता (2013-14) | **—359.02 लाख हेक्टेयर** |
| ☞ सिंचन क्षमता का कुल उपयोग (2013-14) | **—244.03 लाख हेक्टेयर** |
| ☞ कुल शुद्ध सिंचाई में निजी साधनों से सिंचाई (2011-12) | **—लगभग 76%** |
| ☞ कुल शुद्ध सिंचाई में नलकूप सिंचाई (2012-13) | **-71.5%** |
| ☞ कुल शुद्ध सिंचाई में नहर सिंचाई (2012-13) | **—18.2%** |
| ☞ कुल शुद्ध सिंचाई में कुँए से सिंचाई (2012-13) | **—9%** |
| ☞ कुल शुद्ध सिंचाई में तालाब, झील तथा पोखर (2012-13) | **—0.8%** |
| ☞ अन्य साधनों से (2012-13) | **—0.4%** |
| ☞ नलकूप, कुआँ, तालाब आदि आते हैं | **—लघु सिंचाई साधन में** |
| ☞ नहर, बांध आदि आते हैं | **—मध्यम व वृहत्त सिंचाई साधन में** |
| ☞ प्रदेश में लगभग 78% सिंचाई की जाती है | **—निजी लघु सिंचाई साधनों से** |
| ☞ तालाबों, पोखरों आदि से सिंचाई के लिए प्रयुक्त प्राचीन तकनीक हैं | **—बेड़ी, ढैंकची आदि** |
| ☞ कुँओं से सिंचाई के लिए प्रयुक्त प्राचीन तकनीक हैं | **—रहट, वाशर रहट, बलदेव बाल्टी, ढैंकली, चर्सा, मायादास लिफ्ट आदि** |
| ☞ प्रदेश में तालाबों व पोखरों से सिंचाई का सर्वाधिक प्रचलन है | **—बुन्देलखण्ड क्षेत्र में** |
| ☞ प्रदेश में कुँओं से सिंचाई का सर्वाधिक प्रचलन है | **—पूर्वांचल क्षेत्र में** |
| ☞ प्रदेश में नलकूपों से सिंचाई शुरू हुई | **—1930 (मेरठ) में** |
| ☞ प्रदेश में सिंचाई का सबसे बड़ा साधन है | **—नलकूप** |
| ☞ प्रदेश में नलकूपों की गहनता सर्वाधिक है | **—पश्चिमी भाग में** |
| ☞ प्रदेश में सिंचाई हेतु पहला कार्यालय 1823 में खोला गया | **—सहारनपुर में** |
| ☞ प्रदेश की सबसे पुरानी नहर है | **—पूर्वी यमुना नहर (शाहजहां द्वारा)** |
| ☞ पूर्वी यमुना नहर को पुनः अंग्रेजों द्वारा खुदवाया गया | **—1830 में** |
| ☞ प्रदेश की सबसे बड़ी (12,368 किमी.) नहर प्रणाली है | **—शारदा नहर (1928)** |
| ☞ हरिद्वार से निकलने वाली ऊपरी गंगा नहर का निर्माण हुआ था | **—1854 में** |
| ☞ प्रदेश में नहरों का सर्वाधिक विस्तार है | **—पश्चिमी उत्तर प्रदेश में** |
| ☞ प्रदेश में सर्वाधिक नहर सिंचित क्षेत्र है | **—पश्चिमी उत्तर प्रदेश में** |
| ☞ प्रदेश में सर्वाधिक (लंबाई में) नहरें हैं | **—रायबरेली में** |
| ☞ दिल्ली के पास यमुना के दाहिने से निकलने वाली नहर है | **—आगरा नहर** |

- प्रदेश के इटावा में बब्बर शेर प्रजनन केन्द्र एवं लॉयन सफारी पार्क विकसित किया जा रहा है।
- भारत में वन्य जीवों के संरक्षण की सर्वोच्च संस्था भारतीय वन्य जीव बोर्ड है। इसकी स्थापना 1972 ई. में की गई है। इसके अध्यक्ष प्रधानमन्त्री होते हैं।
- 'वन्य' एवं 'वन्य प्राणी' विषय भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में वर्ष 1976 ई. में 42वें संविधान संशोधन द्वारा सम्मिलित किया गया है।
- प्रदेश में जंगली हाथियों को बचाने के लिए बिजनौर और सहारनपुर जिलों में लगभग 744 वर्ग किमी. तक वन क्षेत्र को मिलाकर एलीफैण्टा रिजर्व क्षेत्र घोषित किया गया। इसका मुख्यालय बिजनौर में है।
- हाथियों के संरक्षण के लिए केन्द्रीय योजना 1992 ई. से चलायी जा रही है।
- सम्पूर्ण विश्व के कुल सारस में से 40% उत्तर प्रदेश में पाये जाते हैं। कन्नौज, इटावा, मैनपुरी, अलीगढ़, बुलन्दशहर, औरैया आदि जिलों में सारस अधिक संख्या में पाये जाते हैं। राज्यपक्षी सारस इस समय संकटग्रस्त श्रेणी में आ गया है।

## वन

| | |
|---|---|
| 4 दिसम्बर, 2015 को जारी वन रिपोर्ट | **–14वीं** |
| राज्य में वनाच्छादन | **–6.00% (14,461 वर्ग किमी.)** |
| राज्य में वृच्छादन | **–2.92% (7044 वर्ग किमी.)** |
| राज्य में वन एवं वृच्छादन | **–8.93% (21,505 वर्ग किमी.)** |
| 2013 (13वीं रिपोर्ट) से 2015 के बीच वनावरण में वृद्धि | **–112 वर्ग किमी.** |
| कुल वनाच्छादन में खुला, मध्यम सघन व अति सघन वन क्रमशः | **–56.74%, 28.07% व 15.7%** |
| कुल रिकार्डेड (अभिलिखित) वन क्षेत्र | **–6.88% (16582 वर्ग किमी.)** |
| कुल रिकार्डेड वन क्षेत्र में आरक्षित वन | **– 72.80%** |
| कुल रिकार्डेड वन क्षेत्र में संरक्षित वन | **–6.98%** |
| कुल रिकार्डेड वन क्षेत्र में अवर्गीकृत वन | **–20.22%** |
| राज्य के कुल क्षेत्रफल में झाड़ियाँ हैं | **–0.33%** |
| सर्वाधिक अति सघन वन क्षेत्रफल वाला जिला है | **–खीरी** |
| सर्वाधिक खुले वन क्षेत्रफल वाला जिला है | **–सोनभद्र** |
| सर्वाधिक वन क्षेत्रफल वाला जिला है | **–सोनभद्र (2544 वर्ग किमी.)** |
| सर्वाधिक वन क्षेत्रफल वाले 4 जिले हैं | **–सोनभद्र, खीरी मिर्जापुर व पीलीभीत** |
| सबसे कम वन क्षेत्रफल वाला जिला है | **–भदोही (3 वर्ग किमी.)** |
| सबसे कम वन क्षेत्रफल वाले 4 जिले हैं | **– भदोही, संत कबीर नगर, मऊ व मैनपुरी** |
| सर्वाधिक वन प्रतिशत वाला जिला है | **– सोनभद्र (0.30%)** |
| सर्वाधिक वन प्रतिशत वाले 4 जिले हैं | **– सोनभद्र चन्दौली, मिर्जापुर व पीलीभीत** |
| सबसे कम वन प्रतिशत वाला जिला हैं | **–भदोही (0.30%)** |
| सबसे कम वन प्रतिशत वाले 4 जिले हैं | **–भदोही, मैनपुरी, संत कबीर नगर व देवरिया** |
| सामान्यतः राज्य में पाए जाते हैं | **–उष्ण कटिबंधीय वन** |

## वनोत्पाद

| | |
|---|---|
| कत्था बनाया जाता है | **–खैर वृक्ष से** |
| बीड़ियाँ बनायी जाती हैं | **–तेंदू पत्ते से** |
| माचिस की तीली और डिब्बी बनाई जाती है | **–सेमल, अर्जुन व गुरेल वृक्ष से** |
| पत्तल व दौने बनाए जाते हैं | **–साखू व महुए के पत्ते से** |
| वनोत्पाद लाख से बनाए जाते हैं | **–चूड़ियां व खिलौने** |

## वन योजनाएं/परियोजनाएं

| | |
|---|---|
| सामाजिक वानिकी योजना | **–1979-80 से** |
| राज्य में चलाए गए सामाजिक वानिकी योजना में वह वृक्ष जो भूमि के लिए घातक (पारिस्थितिक आतंकवादी) सिद्ध हुआ है | **–यूकेलिप्टस** |
| उ.प्र. वानिकी परियोजना | **–मार्च 1998 से** |
| 2010 से प्रदेश में चलाई जा रही सहभागी वन प्रबंधन योजना के तहत प्रदेश का पहला ग्राम वन घोषित किया गया है | **–बेलहत्थी, सोनभद्र को** |
| हरित पट्टी विकास योजना | **–2012-13 से** |
| आपरेशन ग्रीन योजना | **–2001 में** |
| टोटल फॉरेस्ट कवर योजना | **–2014-15 से** |

## वन्य जीव संरक्षण

| | |
|---|---|
| राज्य में इको-टूरिज्म पॉलिसी घोषित की गई | **–2014 में** |
| प्रदेश में बाघों की संख्या (2015 में) | **–117** |
| प्रदेश में तेंदुओं की संख्या (2015 में) | **–194** |
| प्रदेश में गंगा डाल्फिन की संख्या (2015 में) | **–1263** |
| राज्य सरकारी वन्य जीव संरक्षण केन्द्र | **–25 (12 वन्यजीव व 13 पक्षी विहार)** |

# उ.प्र. के प्रमुख मंदिर स्थल

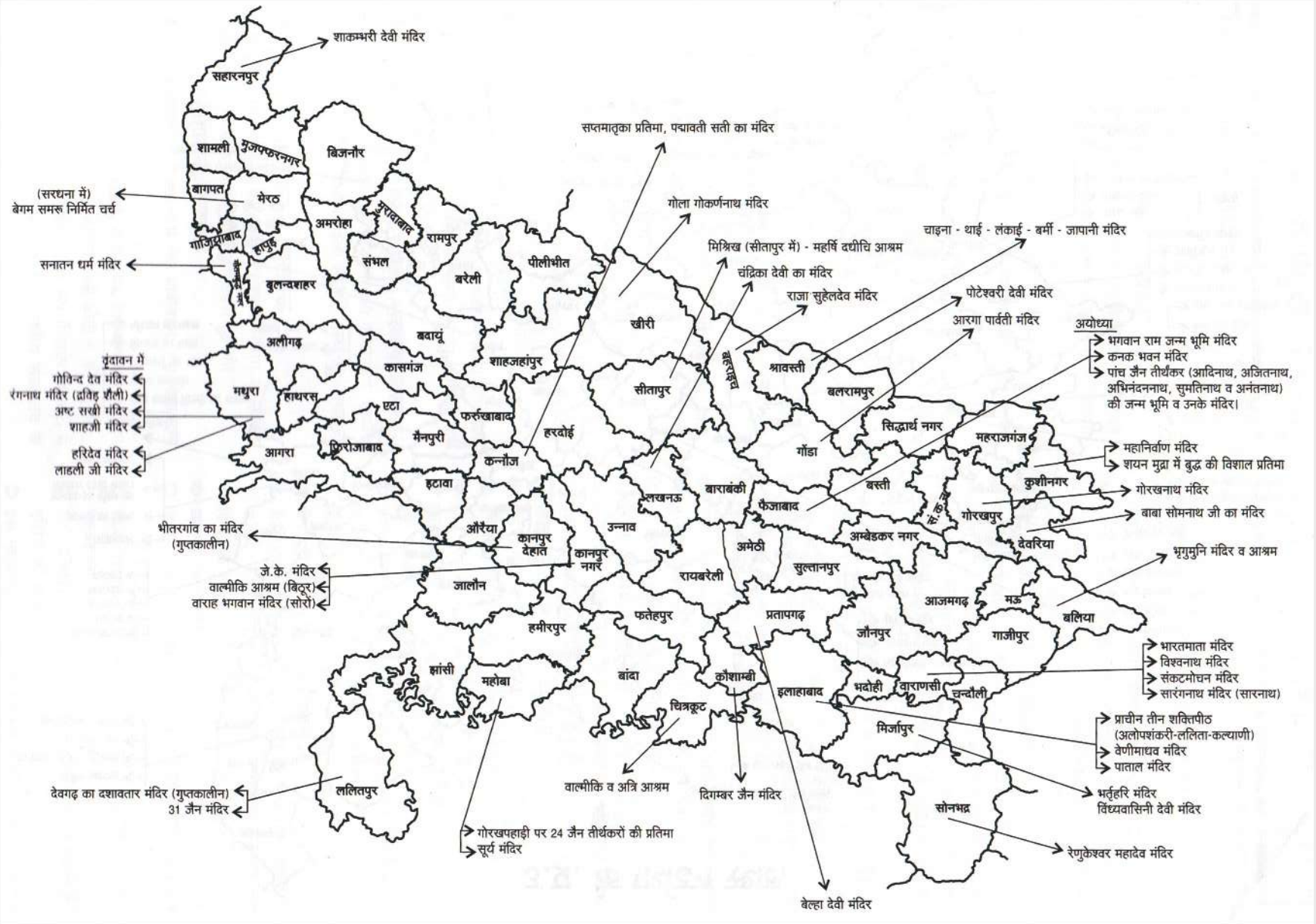

| | | |
|---|---|---|
| ☞ उपभाषा पहाड़ी हिन्दी की बोलियाँ | : | 2 (गढ़वाली व कुमायूँनी) |
| ☞ उपभाषा बिहारी हिन्दी की बोलियाँ | : | 3 (भोजपुरी, मैथिली व मगही) |
| ☞ उपभाषा राजस्थानी हिन्दी की बोलियाँ | : | 4 (मारवाड़ी, मेवाती, मालवी व ढूँढाड़ी) |
| ☞ उ.प्र. में बोली जाने वाली उपबोलियाँ | : | खड़ी, ब्रज, बुन्देली, कन्नौजी, अवधी, बघेली व भोजपुरी |
| ☞ खड़ी बोली का विकास शौरसेनी से हुआ है। इसके अन्य नाम हैं | : | कौरवी, हिन्दुस्तानी, नागरी व सरहिन्दी |
| ☞ वर्तमान साहित्यिक हिन्दी (सामान्य हिन्दी) और उर्दू आधारित हैं | : | खड़ी बोली पर |
| ☞ खड़ी बोली के क्षेत्र हैं | : | पूर्वी दिल्ली, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्ध नगर, बुलन्दशहर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, सम्भल व रामपुर |
| ☞ ब्रजभाषा का भी विकास शौरसेनी से हुआ है। इसके क्षेत्र हैं | : | मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, काशीराम नगर, एटा, आगरा, पूर्वी फिरोजाबाद, मैनपुरी, बदायूँ, बरेली |
| ☞ कन्नौजी और ब्रजभाषा में काफी समानता है। इसके क्षेत्र हैं देहात | : | कन्नौज, इटावा, औरैया, फर्रुखाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, पीलीभीत, कानपुर |
| ☞ अवधी का विकास अर्द्धगामधी से हुआ है। इसकी उपबोलियाँ हैं | : | बैसवाड़ी, मिर्जापुरी व बनौधी |
| ☞ अवधी के क्षेत्र हैं | : | फैजाबाद, गोण्डा, बलगरापुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशाम्बी, इलाहाबाद, मिर्जापुर (अंशतः) |
| ☞ भोजपुरी का विकास अर्द्धमागधी से हुआ है। इसका मुख्य केन्द्र है | : | भोजपुर (बिहार) |
| ☞ प्रदेश में सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली उपबोली भोजपुरी है। इसके क्षेत्र हैं | : | मिर्जापुर, चन्दौली, सन्त रविदास नगर, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, बलिया, आजमगढ़, अम्बेडकर नगर, देवरिया, कुशी नगर, गोरखपुर, महाराजगंज, सन्त कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर |
| ☞ बुन्देली का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। इसके क्षेत्र हैं | : | झाँसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, बाँदा, चित्रकूट |
| ☞ बघेली का विकास अर्द्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है। इसका मुख्य केन्द्र है | : | रीवा (म.प्र.) |
| ☞ प्रदेश में सबसे कम लोगों द्वारा बोली जाने वाली उपबोली बघेली केक्षेत्र हैं | : | बाँदा, चित्रकूट, इलाहाबाद, मिर्जापुर तथा सोनभद्र के म.प्र. से लगे कुछ भाग |
| ☞ प्रदेश में हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया | : | अक्टूबर, 1947 से |
| ☞ प्रदेश के कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी को अनिवार्य किया गया | : | 26 जनवरी, 1968 से |
| ☞ सात प्रयोजनों हेतु उर्दू को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा घोषित किया गया | : | 1989 से |

## अन्य विविध तथ्य

| | | |
|---|---|---|
| ☞ प्रदेश में संस्कृति विभाग की स्थापना की गई | : | 1957 में |
| ☞ प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक क्षेत्र | : | ब्रज, अवध, बुन्देलखण्ड, रुहेलखण्ड तथा भोजपुरी क्षेत्र |
| ☞ प्रदेश में स्थापत्य कला के प्राचीनतम (मौर्यकालीन) नमूने प्राप्त होते हैं | : | सारनाथ, कौशाम्बी, कुशीनगर आदि स्थानों से |
| ☞ मंदिर निर्माण कला का विकास हुआ | : | गुप्त काल में |
| ☞ गुप्तकालीन मंदिरों के साक्ष्य मिलते हैं | : | देवगढ़ (झाँसी), भीतरगांव (कानपुर) तथा भीतरी (गाजीपुर) से |
| ☞ मध्यकाल में स्थापत्यकला की दो प्रमुख शैलियाँ | : | शर्की और मुगल (आगरा) शैली |
| ☞ शर्की शैली का सर्वोत्कृष्ट नमूना | : | अटाला मस्जिद (जौनपुर) |
| ☞ मुगल शैली का सर्वोत्कृष्ट नमूना | : | ताजमहल |
| ☞ आधुनिक स्थापत्य की प्रमुख शैली है | : | लखनऊ शैली |
| ☞ लखनऊ शैली का विशुद्ध नमूना है | : | बड़े इमामबाड़े का हाल |
| ☞ लखनऊ में प्रथम कला एवं शिल्प महाविद्यालय की स्थापना की गई | : | 1911 में |
| ☞ भारतीय कला परिषद (वाराणसी) की स्थापना की गई | : | 1920 में |
| ☞ भारतीय कला भवन (वाराणसी) की स्थापना की गई | : | 1950 में |
| ☞ चित्रकला के प्राचीनतम नमूने | : | मिर्जापुर–सोनभद्र के सानेकढ़ा व लिखनियांदरी, मानिकपुर, जोगीमारा, होशंगाबाद, रायगढ़ आदि स्थलों के शैलों पर व गुफाओं में |
| ☞ मध्यकाल की प्रमुख चित्रकला शैलियाँ | : | मुगल (आगरा), मथुरा (ब्रज) तथा बुन्देली शैली |
| ☞ मुगल चित्रकला शैली की नींव रखी | : | हुमायूँ ने |
| ☞ मुगल चित्रकला शैली का स्वर्ण काल | : | जहाँगीर काल |
| ☞ काशी नरेश के संरक्षण में विकसित चित्रकला शैली | : | अपभ्रंश तथा कम्पनी शैली |
| ☞ आधुनिक चित्रकला की प्रमुख शैलियाँ | : | वाश–टेम्पा या लखनऊ शैली |
| ☞ लखनऊ चित्रकला शैली के जनक हैं | : | असित कुमार हल्दार |
| ☞ प्रदेश के चित्रकला विकास में ग्राफिक विद्या की शुरूआत की | : | ललित मोहन सेन ने |
| ☞ चमन सिंह ने चित्र व मूर्ति कला पर पुस्तकें लिखीं | : | 50 से अधिक |

# 20 उत्तर प्रदेश

## ऐतिहासिक, धार्मिक व पर्यटन स्थल

| | |
|---|---|
| ताजमहल, अकबर का मकबरा (सिकन्दरा), एत्माद-उद्-दौला मकबरा (एत्मादपुर), लालकिला, सुनहला महल, दीवाने खास, मोती मस्जिद, जहाँगीर व अकबरी महल, शिया संत नूरूल्ला काजी मजार, शहीदे सालिम मजार, सामूगढ़, बटेश्वर व कैलाश आदि। | **—आगरा** |
| जामा मस्जिद, बुलन्द दरबाजा, बीरबल महल, सलीम चिश्ती मकबरा, जोधाबाई महल, दीवाने खास, मरियम महल, पंचमहल आदि। | **—फतेहपुर सीकरी (आगरा)** |
| शाही किला, शाहीपुल, अटाला मस्जिद, लालदरबाजा, झझरी व औरंगजेब (बड़ी मस्जिद), जामा मस्जिद, हिन्दी भवन, शीतला चौकियाधाम व धर्मापुर आदि। | **—जौनपुर** |
| आसिफुद्दौला व शाहन्नजफ इमामबाड़ा, छतर व मुबारक मंजिल, रूमी दरबाजा, आसफी व बड़ी जामा मस्जिद, दौलतखाना, रेजीडेंसी, मोतीमहल, बेगम हजरतमहल पार्क, लाल बारादरी, रोशनुद्दौला कोठी, सिकन्दरा बाग, हुलासखेड़ा, दादूपुर, बिजली पासी का किला, संत साहमीना की मजार, खम्मन पीर मजार, काकोरी शहीद स्थल, नेशनल बाटेनिकल गार्डेन व प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर), चारबाग रेलवे स्टेशन, मनकामेश्वर मंदिर, महावीर मंदिर व चंद्रिका देवी आदि। | **—लखनऊ (लक्ष्मणपुरी)** |
| भरद्वाज आश्रम, प्राचीन नाग बासुकी व वेणीमाधव मंदिर, प्राचीन तीन (अलोपशंकरी-ललिता-कल्याणी) शक्तिपीठ, बड़े हनुमान मंदिर, शंकर विमान मण्डपम (द्रविड़ शैली), गंगा-यमुना-सरस्वती नदी संगम, आनन्द भवन, स्वराज भवन, पब्लिक लाइब्रेरी, अलफ्रेड पार्क (चन्द्रशेखर आजाद पार्क), आल सेंट्ल कैथड्ल चर्च, खुसरोबाग, इको नालेज पार्क (मिंटो पार्क), प्रतिष्ठानपुरी व ऋषभदेव तपस्थली (झूंसी), महर्षि महेश योगी आश्रम, त्रिवेणी पुष्प व तीर्थ दर्शनम उपवन (नैनी), अकबर निर्मित किला व किले के अन्दर अशोक स्तम्भ, पाताल मंदिर, अक्षयवट, सरस्वती कूप, अमरावती महल, जोधाबाई महल, आनंद महल, दीन महल, महासिंगार महल, अलोल व कलोल महल, दिलशाक महल, बशरत महल, हंस महल व सुखनाम महल आदि। | **—इलाहाबाद (नगर)** |
| शृंगवेरपुर, दुर्बासा आश्रम, लाक्ष्यागृह व गढ़वा का किला आदि। | **—इलाहाबाद (देहात)** |
| गंगा के 84 घाट, विश्वनाथ मंदिर, अन्नपूर्णा मन्दिर, संकटमोचन मन्दिर, तुलसी मानस मन्दिर, कालभैरव मन्दिर, भारतमाता मन्दिर, मारकण्डेय मन्दिर, साक्षीविनायक मन्दिर, पाँच रत्न, ज्ञानवापी मस्जिद, आलमगीर मस्जिद (बेनी माधव का करहरा), रामनगर किला, राजघाट व सारनाथ आदि। | **—वाराणसी** |
| धमेख स्तूप (गुप्तकालीन), चौखण्डी स्तूप (सम्भवत अशोक निर्मित), मूलगंध कुटीविहार, धर्मराजिका स्तूप, सद्धर्म चक्र विहार (अवशेष), जापानी-कोरियाई-थाई-वर्मी-चीनी बौद्ध मंदिर, अशोक स्तम्भ, बुद्धा थीम पार्क, मृगदाव पक्षी विहार, जैन मंदिर, सारंगनाथ मंदिर व देश में सबसे ऊँची बुद्ध की (70 फीट) प्रतिमा आदि। | **— सारनाथ (वाराणसी)** |
| चन्द्रप्रभा वन्य जीव विहार, राजदारी, देवदारी व अर्वताण्ड जलप्रपात, चन्द्रप्रभा डैम, नवगढ़ व धानपुर शहीद स्मारक आदि। | **—चन्दौली** |
| अयोध्या, नन्दीग्राम व नन्दी ग्राम में ही भरतकुण्ड, बहूबेगम मकबरा, गुलाब बाड़ी, गुप्तारघाट व रत्नगिरि मंदिर आदि। | **—फैजाबाद** |
| रामजन्मभूमि, सरयू नदी व उस पर राम की पौढ़ी, कनकभवन मंदिर, हनुमान गढ़ी मंदिर, पांच जैन तीर्थंकरों (आदिनाथ या ऋषभदेव, अजितनाथ, अभिनन्दनाथ, सुमतिनाथ व अनन्तनाथ) की जन्मभूमि व उनके मंदिर, रामकथा संग्रहालय, मणिपर्वत व सीताकुण्ड आदि। | **—अयोध्या (फैजाबाद)** |

**374.** निम्न का सही सुमेल चुनें– **(UPPCS-2003)**

**(a)** क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आजाद पक्षी विहार 1. गोण्डा
**(b)** ओखला पक्षी विहार 2. उन्नाव
**(c)** समसपुर पक्षी विहार 3. गाजियाबाद
**(d)** पार्वती अरंगा पक्षी विहार 4. रायबरेली

| कूट : | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (A) | 2 | 4 | 3 | 1 |
| (B) | 2 | 3 | 4 | 1 |
| (C) | 4 | 3 | 1 | 2 |
| (D) | 3 | 4 | 2 | 1 |

**375.** सोनभद्र में निम्न धातुओं में से कौन-कौन पायी जाती हैं, सही कूट का चयन करें ? **(UPPCS-2003)**

**1.** यूरेनियम **2.** एण्डालूसाइट
**3.** पाइराइट **4.** डोलोमाइट

**कूट :**
**(A)** 1, 2, एवं 3 **(B)** 2, 3 एवं 4
**(C)** 1, 3 एवं 4 **(D)** 1, 2, 3 एवं 4

**376.** निम्न में से कौन-सा वृक्ष जो कभी सामाजिक वानिकी में लोकप्रिय था, अब एक पारिस्थितिक आतंकवादी माना जाता है? **(UPPCS-2002)**

**(A)** बबूल **(B)** अमलतास
**(C)** नीम **(D)** यूकेलिप्टस

**377. भारतीय शाकभाजी अनुसंधान संस्थान स्थित है ?** **(UPPCS (M) 2016)**

**(A)** कानपुर में **(B)** नई दिल्ली में
**(C)** वाराणसी में **(D)** इलाहाबाद में

**378.** भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान स्थित है ? **(UPPCS (M) 2016)**

**(A)** बरेली में **(B)** मथुरा में
**(C)** करनाल में **(D)** पटना में

**379.** गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज स्थित है– **(यूपीपीएसी मेन 2016)**

**(A)** सैफई में **(B)** मेरठ में
**(C)** लखनऊ में **(D)** वाराणसी में

**380.** सूची I व II सुमेलित कर सही उत्तर चुनें–

| सूची-I | सूची.II |
|---|---|
| **(a)** इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ हैन्डलूम | 1. रायबरेली |
| **(b)** भातखण्डे संगीत संस्थान | 2. इलाहाबाद |
| **(c)** निराला आर्ट गैलरी | 3. लखनऊ |
| **(d)** राजीव गाँधी इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी | 4. वाराणसी |

| कूट : | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (A) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (B) | 4 | 3 | 2 | 1 |
| (C) | 2 | 1 | 4 | 3 |
| (D) | 3 | 4 | 1 | 2 |

**381.** निम्न में कौन-सा बुन्देलखण्ड का लोकनृत्य नहीं है ? **(यूपीपीएससी मेन 2016)**

**(A)** ख्याल नृत्य **(B)** पाई डण्डा नृत्य
**(C)** बढ़इया नृत्य **(D)** राई नृत्य

**382.** लट्ठमार होली मनाई जाती है– **(यूपीपीएससी मेन 2016)**

**(A)** वृन्दावन में **(B)** बरसाना में
**(C)** मथुरा में **(D)** गोकुल में

**383.** राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु प्रथम ट्रेवल मार्ट (2015) का आयोजन किया गया था– **(यूपीपीएससी मेन 2016)**

**(A)** लखनऊ में **(B)** कानपुर में
**(C)** आगरा में **(D)** वाराणसी में

**384.** काशी विद्यापीठ के संस्थापक थे–

**(A)** पं. मदन मोहन मालवीय **(B)** आचार्य नरेन्द्र देव
**(C)** बाबू शिव प्रसाद गुप्त **(D)** महात्मा गाँधी

**385.** कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना शुरू की गई– **(UPPCS (M) 2016)**

**(A)** 2004 में **(B)** 2010 में
**(C)** 2005 में **(D)** 2012 में

**386.** उ.प्र. सामान्य केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं– **(UPPCS (M) 2016)**

**(A)** एक **(B)** दो
**(C)** तीन **(D)** चार

**387.** निम्न में नलकूपों द्वारा सिंचित भूमि क्षेत्र सबसे अधिक है–

**(A)** बिहार में **(B)** हरियाणा में
**(C)** उत्तर प्रदेश में **(D)** पंजाब में

**388.** जौनपुर राज्य का अंतिम शासक कौन था ? **(UPPCS (Pre.) 2017)**

**(A)** मुहम्मद शाह **(B)** हुसैन शाह
**(C)** मुबारिक शाह **(D)** इब्राहिम शाह

**389.** शहरी विकास मंत्रालय द्वारा मई 2017 से जारी की जाने वाली सूची में किस उत्तर प्रदेश के शहर को सर्वाधिक गंदा शहर का दर्जा दिया गया ? **(UPPCS (Pre) 2017)**

**(A)** मेरठ **(B)** गाजियाबाद
**(C)** गोंडा **(D)** शाहजहाँपुर

**390.** निम्नलिखित में से किस राज्य में जापानी इन्सेफेलाइटिस अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जाएगा ? **(UPPCS Pre. 2017)**

**(A)** मध्य प्रदेश **(B)** उत्तर प्रदेश
**(C)** राजस्थान **(D)** पंजाब

## उत्तरमाला

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **1.** (C) | **2.** (B) | **3.** (C) | **4.** (D) | **5.** (B) | **6.** (D) |
| **7.** (B) | **8.** (A) | **9.** (D) | **10.** (B) | **11.** (C) | **12.** (A) |
| **13.** (A) | **14.** (C) | **15.** (D) | **16.** (B) | **17.** (D) | **18.** (B) |
| **19.** (C) | **20.** (A) | **21.** (B) | **22.** (C) | **23.** (D) | **24.** (C) |
| **25.** (D) | **26.** (B) | **27.** (B) | **28.** (C) | **29.** (A) | **30.** (B) |
| **31.** (C) | **32.** (D) | **33.** (D) | **34.** (D) | **35.** (A) | **36.** (B) |
| **37.** (D) | **38.** (D) | **39.** (C) | **40.** (D) | **41.** (A) | **42.** (B) |
| **43.** (D) | **44.** (D) | **45.** (D) | **46.** (B) | **47.** (D) | **48.** (C) |
| **49.** (A) | **50.** (C) | **51.** (A) | **52.** (B) | **53.** (A) | **54.** (A) |
| **55.** (A) | **56.** (B) | **57.** (D) | **58.** (A) | **59.** (A) | **60.** (D) |
| **61.** (A) | **62.** (D) | **63.** (A) | **64.** (B) | **65.** (C) | **66.** (C) |
| **67.** (C) | **68.** (C) | **69.** (C) | **70.** (B) | **71.** (A) | **72.** (B) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **73.** (B) | **74.** (D) | **75.** (B) | **76.** (A) | **77.** (D) | **78.** (B) |
| **79.** (C) | **80.** (D) | **81.** (B) | **82.** (B) | **83.** (C) | **84.** (D) |
| **85.** (C) | **86.** (B) | **87.** (B) | **88.** (A) | **89.** (B) | **90.** (B) |
| **91.** (A) | **92.** (C) | **93.** (A) | **94.** (C) | **95.** (A) | **96.** (C) |
| **97.** (C) | **98.** (A) | **99.** (C) | **100.** (D) | **101.** (C) | **102.** (B) |
| **103.** (D) | **104.** (A) | **105.** (C) | **106.** (C) | **107.** (B) | **108.** (B) |
| **109.** (C) | **110.** (A) | **111.** (D) | **112.** (C) | **113.** (B) | **114.** (C) |
| **115.** (A) | **116.** (C) | **117.** (D) | **118.** (C) | **119.** (A) | **120.** (D) |
| **121.** (A) | **122.** (A) | **123.** (A) | **124.** (D) | **125.** (C) | **126.** (A) |
| **127.** (C) | **128.** (D) | **129.** (A) | **130.** (C) | **131.** (C) | **132.** (A) |
| **133.** (C) | **134.** (C) | **135.** (D) | **136.** (A) | **137.** (A) | **138.** (A) |
| **139.** (C) | **140.** (B) | **141.** (C) | **142.** (A) | **143.** (D) | **144.** (C) |
| **145.** (A) | **146.** (C) | **147.** (C) | **148.** (B) | **149.** (C) | **150.** (C) |
| **151.** (D) | **152.** (C) | **153.** (B) | **154.** (A) | **155.** (D) | **156.** (B) |
| **157.** (C) | **158.** (A) | **159.** (D) | **160.** (D) | **161.** (B) | **162.** (D) |
| **163.** (D) | **164.** (A) | **165.** (C) | **166.** (B) | **167.** (A) | **168.** (C) |
| **169.** (B) | **170.** (C) | **171.** (D) | **172.** (D) | **173.** (B) | **174.** (B) |
| **175.** (A) | **176.** (D) | **177.** (B) | **178.** (D) | **179.** (A) | **180.** (B) |
| **181.** (D) | **182.** (D) | **183.** (B) | **184.** (D) | **185.** (B) | **186.** (B) |
| **187.** (C) | **188.** (A) | **189.** (B) | **190.** (A) | **191.** (C) | **192.** (D) |
| **193.** (D) | **194.** (C) | **195.** (B) | **196.** (C) | **197.** (C) | **198.** (D) |
| **199.** (D) | **200.** (C) | **201.** (B) | **202.** (A) | **203.** (A) | **204.** (D) |
| **205.** (A) | **206.** (B) | **207.** (A) | **208.** (A) | **209.** (A) | **210.** (B) |
| **211.** (C) | **212.** (A) | **213.** (B) | **214.** (A) | **215.** (D) | **216.** (B) |
| **217.** (A) | **218.** (B) | **219.** (B) | **220.** (B) | **221.** (B) | **222.** (C) |
| **223.** (D) | **224.** (C) | **225.** (B) | **226.** (B) | **227.** (C) | **228.** (B) |
| **229.** (C) | **230.** (C) | **231.** (A) | **232.** (B) | **233.** (A) | **234.** (C) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **235.** (A) | **236.** (B) | **237.** (A) | **238.** (A) | **239.** (B) | **240.** (B) |
| **241.** (C) | **242.** (B) | **243.** (D) | **244.** (A) | **245.** (D) | **246.** (A) |
| **247.** (A) | **248.** (D) | **249.** (D) | **250.** (C) | **251.** (B) | **252.** (A) |
| **253.** (D) | **254.** (C) | **255.** (C) | **256.** (B) | **257.** (D) | **258.** (A) |
| **259.** (A) | **260.** (D) | **261.** (C) | **262.** (B) | **263.** (C) | **264.** (A) |
| **265.** (D) | **266.** (D) | **267.** (B) | **268.** (B) | **269.** (D) | **270.** (B) |
| **271.** (D) | **272.** (B) | **273.** (C) | **274.** (C) | **275.** (D) | **276.** (B) |
| **277.** (C) | **278.** (D) | **279.** (C) | **280.** (D) | **281.** (A) | **282.** (B) |
| **283.** (C) | **284.** (A) | **285.** (C) | **286.** (A) | **287.** (A) | **288.** (C) |
| **289.** (C) | **290.** (D) | **291.** (D) | **292.** (A) | **293.** (B) | **294.** (D) |
| **295.** (C) | **296.** (B) | **297.** (B) | **298.** (A) | **299.** (B) | **300.** (B) |
| **301.** (B) | **302.** (C) | **303.** (D) | **304.** (C) | **305.** (C) | **306.** (A) |
| **307.** (B) | **308.** (C) | **309.** (B) | **310.** (A) | **311.** (C) | **312.** (B) |
| **313.** (B) | **314.** (B) | **315.** (D) | **316.** (A) | **317.** (B) | **318.** (A) |
| **319.** (B) | **320.** (B) | **321.** (B) | **322.** (D) | **323.** (A) | **324.** (A) |
| **325.** (D) | **326.** (C) | **327.** (C) | **328.** (B) | **329.** (B) | **330.** (C) |
| **331.** (C) | **332.** (C) | **333.** (B) | **334.** (A) | **335.** (B) | **336.** (D) |
| **337.** (D) | **338.** (C) | **339.** (C) | **340.** (D) | **341.** (D) | **342.** (C) |
| **343.** (C) | **344.** (A) | **345.** (D) | **346.** (C) | **347.** (A) | **348.** (C) |
| **349.** (A) | **350.** (B) | **351.** (C) | **352.** (C) | **353.** (B) | **354.** (C) |
| **355.** (B) | **356.** (B) | **357.** (A) | **358.** (D) | **359.** (A) | **360.** (C) |
| **361.** (C) | **362.** (A) | **363.** (A) | **364.** (B) | **365.** (C) | **366.** (A) |
| **367.** (C) | **368.** (D) | **369.** (B) | **370.** (D) | **371.** (D) | **372.** (B) |
| **373.** (C) | **374.** (B) | **375.** (B) | **376.** (D) | **377.** (C) | **378.** (A) |
| **379.** (C) | **380.** (B) | **381.** (C) | **382.** (B) | **383.** (A) | **384.** (C) |
| **385.** (A) | **386.** (D) | **387.** (C) | **388.** (B) | **389.** (C) | **390.** (B) |